www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 236 | जौनपुर बुधवार, 16 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

आप राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल के ठिकानों पर ईडी रेड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल और उनके बेटे के ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की है। गुरुग्राम, पंजाब और जालंधर समेत 8 से 9 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। यह कार्रवाई फंड से जुड़ी कथित गड़बड़ियों के आरोपों को लेकर की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीमें अशोक मित्तल के घर, फार्महाउस और अन्य ठिकानों पर जांच कर रही हैं। इसके अलावा, उनकी लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में भी एजेंसी की टीम पहुंची है, जहां दस्तावेजों की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि यूनिवर्सिटी के फंड से जुड़े कुछ मामलों में अनियमितताओं के संकेत मिले हैं, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। अशोक मित्तल पंजाब से श्आपश के राज्यसभा सदस्य हैं और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक एवं कुलाधिपति भी हैं। ईडी की यह छापेमारी ऐसे समय पर हुई है जब हाल ही में उन्हें पार्टी में एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। दरअसल, आम आदमी पार्टी ने 2 अप्रैल को अशोक मित्तल को राज्यसभा में पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया था। उन्होंने राघव चड्ढा की जगह यह जिम्मेदारी संभाली है। इस बदलाव को पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर आधिकारिक रूप से लागू किया था।

मंडी छात्रा हत्या पर जयराम ठाकुर का सरकार पर तीखा हमला

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने मंडी जिले के सरकाघाट में एक छात्रा की निर्मम हत्या को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह घटना प्रदेश में बिगड़ती कानून–व्यवस्था और प्रशासनिक विफलता का स्पष्ट उदाहरण है।श्री ठाकुर ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक कॉलेज छात्रा की तेजधार हथियार से हत्या ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है और लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया है। उन्होंने इसे ष्अलग–थलग घटना नहीं बल्कि कानून–व्यवस्था के पतन का संकेत बताया।श्री ठाकुर ने बताया कि वह पीड़ित परिवार से मिले हैं और उनके दुख को साझा किया। उन्होंने कहा, ष्पिता ने सुबह अपनी बेटी से बात की थी और कुछ ही घंटों बाद उसकी मौत की खबर मिली–यह बेहद दर्दनाक है।ष्उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 6200 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं और 66 लोगों की ओवरडोज से मौत हुई है। इसके साथ ही महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि को उन्होंने ष्गंभीर चिंताष् का विषय बताया। उन्होंने सरकार की प्रतिक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए।

निर्यात का हब बनकर उभर रहा यूपी : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने 34 वर्ष की शानदार यात्रा के दौरान टाटा मोटर्स के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवें वाहन को लांच किया गया। 10 लाखवें वाहन की लॉन्चिंग केवल एक प्लांट के उत्पादन की ही उपलब्धि नहीं है बल्कि सप्लाई के लिए यूपी के ग्लोबल हब बनने का सूचक है। यह उड़ान रुकने के लिए नहीं है बल्कि आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए है। मुख्यमंत्री योगी बुधवार को टाटा संस के 10 लाखवें वाहन को लॉन्च करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ की आबादी और 56 फीसदी वर्कफोर्स है। इसका प्रभाव कागजों से बाहर आकर जमीन पर भी देखने को मिल रहा है। टाटा मोटर्स में बनने वाली बसों में हमने बचपन

से यात्राएं की हैं। लोगों ने टाटा का मतलब ट्रस्ट के साथ जोड़ा है। सुई से लेकर हवाई जहाज तक हर क्षेत्र में टाटा समूह भारत को सशक्त बनाने के अभियान में लगातार आगे बढ़ रहा है। टाटा का निवेश केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है बल्कि उत्तर प्रदेश को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने का समझौता है। पहले तमाम चुनौतियां थीं कि कनेक्टिविटी अच्छी नहीं थी। संसाधन कम थे। यह तय कर पाना कठिन होता था कि सड़क है या गड्ढा है। सुरक्षा का संकट था। न तो नियत साफ थी और ना ही कोई नीति थी। परिणाम ये था कि लोग निवेश करने से डरते थे। आज भारत के कुल एक्सप्रेसवे का 55 फीसदी एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश में है। गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण इसी महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा। 600 किलोमीटर का एक्सप्रेसवे बनने के बाद देश के कुल एक्सप्रेस वे में उत्तर प्रदेश का योगदान 60 फीसदी हो जाएगा। आज से 9 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट थे । और वो भी बंद पड़े थे। आज 16 एयरपोर्ट पूरी तरह क्रियाशील हैं। पिछले महीने भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया।

पंजाब में महिलाओं को हर माह आर्थिक सहारा : मान

आदमपुर (जालंधर), (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को यहां महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता योजना के पंजीकरण की शुरुआत की, जिसके तहत राज्य भर की महिलाओं को 1000 से 1500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने इसे बाबासाहेब अंबेडकर के सामाजिक न्याय और समानता के दृष्टिकोण को सच्ची श्रद्धांजलि बताते हुए पंजीकरण प्रक्रिया का शुभारंभ किया। इसके तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं को केवल तीन दस्तावेजों की आवश्यकता के साथ पात्र बनाया गया है, साथ ही शिविरों और सहायता कर्मचारियों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से घर–घर जाकर सुविधा प्रदान करने की गारंटी दी गयी है।यह योजना नौ निर्वाचन क्षेत्रों से शुरू होकर 15 मई से शेष 108 निर्वाचन क्षेत्रों में विस्तारित होगी। भुगतान जुलाई से शुरू होंगे और पंजीकरण कराने की कोई समय सीमा नहीं है, जिससे प्रभावी रूप से प्रत्येक पात्र

महिला को, चाहे वह कभी भी पंजीकरण कराये, लाभ की गारंटी मिलती है।26,000 पंजीकरण केंद्रों और प्रत्येक गांव और वार्ड में समर्पित महिला सखियों की तैनाती के साथ, यह योजना तैयार की गयी है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया के साथ श्री मान ने घोषणा की कि इस योजना को आदमपुर, मलोट, श्री आनंदपुर साहिब, दिरबा, सुनाम, मोगा, कोटकापुरा, बटाला और पटियाला ग्रामीण सहित नौ स्थानों पर प्रायोगिक तौर पर शुरू किया गया है। उन्होंने कहा, "शेष 108 निर्वाचन क्षेत्रों में महिलाओं का पंजीकरण 15 मई से शुरू होगा। 1000 या 1500 रुपये का मासिक भुगतान जुलाई 2026 से शुरू होगा।"

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। देवभूमि हिमाचल प्रदेश आज स्थापना दिवस मना रहा है। 15 अप्रैल 1948 को 30 छोटी–बड़ी पहाड़ी रियासतों को मिलाकर एक मुख्य आयुक्त प्रांत के रूप में हिमाचल का गठन हुआ था। 25 जनवरी 1971 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ, लेकिन स्थापना का मुख्य दिवस 15 अप्रैल को मनाया जाता है। हिमाचल

प्रदेश के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया है, ष्समस्त हिमाचलवासियों को हिमाचल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पावन देवभूमि अपनी समृद्ध परंपराओं, अनुपम सांस्कृतिक धरोहर और यहां के लोगों की कर्मठता, कर्तव्यनिष्ठा और विनम्रता के कारण विशेष पहचान रखती है। इस पुनीत अवसर पर मैं प्रदेश के सभी परिवारजनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए एक्स पोस्ट पर लिखा है, ष्हिमाचल दिवस के अवसर पर हम अपने किसानों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हैं, जिनके परिश्रम से हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ और जीवंत बनी हुई है। हमारी सरकार ने प्रदेश के इतिहास में पहली बार अदरक को एमएसपी के दायरे में शामिल किया है।

अमित शाह चार रैलियां करेंगे, ममता बनर्जी के दो रोड शो

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में इस महीने के अंत में होने वाले दो चरणों के विधानसभा चुनावों के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को राज्य में चार जनसभाओं को संबोधित करेंगे, जो बंगाली नव वर्ष के दिन के साथ मेल खाता है। गृह मंत्री शाह के निर्धारित कार्यक्रमों की शुरुआत दार्जिलिंग जिले के लोबोंग मैदान में बुधवार सुबह 11:30 बजे एक जनसभा से होगी, जिसके बाद जलपाईगुड़ी जिले के राजगंज में दोपहर 1 बजे, अलीपुरद्वार जिले के फलाकाटा में दोपहर 2:30 बजे और कूच बिहार जिले के तुफानगंज में शाम 4 बजे तीन अन्य जनसभाएं होंगी। इस बीच, बुधवार को फलाकाटा में केंद्रीय गृह मंत्री की निर्धारित रैली

से 24 घंटे से भी कम समय पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और उस निर्वाचन क्षेत्र के मौजूदा विधायक पर मंगलवार रात को कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा हमला किया गया, जिसका नेतृत्व तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली फलाकाटा–।। ग्राम पंचायत के प्रमुख रवि मिंज और उसके सहयोगियों ने किया। यह कथित हमला उस समय हुआ जब बर्मन घर–घर जाकर प्रचार कर रहे थे, तभी मिंज और उसके साथियों ने बर्मन और उसके साथियों पर लाठियों से हमला किया, जिसके बाद बर्मन का ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि, स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने इन आरोपों का खंडन किया। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को किसी जनसभा को संबोधित करने के बजाय उत्तरी बंगाल के सिलीगुड़ी और माल में दो रोड शो को संबोधित करेंगी। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और पार्टी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी बुधवार को अपने लोकसभा क्षेत्र डायमंड हार्बर में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के विभिन्न स्तरों के नेताओं के साथ एक वर्चुअल बैठक की, जहां उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सभी को एक साथ काम करने और आपसी कलह से बचने की सलाह देते हुए।

मध्य प्रदेश के हायर सेकेंडरी और हाईस्कूल के नतीजे नारी शक्ति को समर्पित : मोहन यादव

भोपाल, (एजेंसी)। भोपाल मध्य प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी और हाई स्कूल परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। इन परीक्षाओं में बालिकाओं ने बाजी मारी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इन नतीजों को नारी सशक्तिकरण को समर्पित बताया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के 10वीं–12वीं के नतीजे मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जारी किए। इस बार भी दोनों परीक्षाओं में छात्राओं ने बाजी मारी है। 12वीं का रिजल्ट बीते 16 साल का सर्वश्रेष्ठ रिजल्ट रहा। हाईस्कूल परीक्षा में पन्ना के गुनौर के सरस्वती ज्ञान मंदिर की छात्रा प्रतिभा सिंह सोलंकी ने टॉप किया है। उन्हें 500 अंकों में से 499

नंबर हासिल हुए। इसी तरह हायर सेकेंडरी में वाणिज्य समूह की खुशी राय और चांदनी विश्वकर्मा ने मेरिट में जगह बनाई है। उन्होंने 500 में से 494 अंक प्राप्त किए। इस बार के रिजल्ट में जनजातीय जिलों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि माता–पिता और बच्चे जान लगाकर परीक्षा की तैयारी करते हैं। इस बार के परीक्षा परिणाम के तुरंत बाद एक और परीक्षा मई में होने वाली है। हमारे जमाने में एक ही परीक्षा हुआ करती थी। अगर कोई असफल हुआ तो उसका पूरा साल खराब हो जाता था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षा नीति–2020 लागू की। उसी का परिणाम है कि हम बच्चों का साल बचा लेते हैं। यह परीक्षा परिणाम स्वर्णिम मध्यप्रदेश की नई गाथा पेश कर रहा है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि इस परीक्षा में जनजातीय जिलों ने बाजी मारी है। इन जिलों के बच्चों और परीक्षा के आयोजकों ने कठिनाई और अभाव में भी क्षमता और योग्यता का प्रदर्शन किया। उनकी प्रतिभा ने आसमान को छुआ है। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा परिणाम नारी सशक्तिकरण को समर्पित है। बेटियों ने एक बार फिर बाजी मारी है। छात्रों को पीछे छोड़ते हुए छात्राओं ने दबदबा कायम रखा है। यह परिणाम बताता है।

विजय चौधरी बने बिहार के नए डिप्टी सीएम, नीतीश के भरोसेमंद रणनीतिकार रहे

पटना, (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद राज्य में एनडीए नेतृत्व का एक नया ढांचा तैयार हुआ है। भाजपा के सम्राट चौधरी के रूप में बिहार को पहला भाजपा मुख्यमंत्री मिला है। वहीं, जदयू के कोटे से पार्टी के सबसे अनुभवी और नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद रणनीतिकार विजय कुमार चौधरी को उपमुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी गई है। उनके साथ बिजेंद्र प्रसाद यादव ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। विजय चौधरी का उपमुख्यमंत्री बनना केवल एक पद का बंटवारा नहीं है बल्कि यह नीतीश कुमार का एक सधा हुआ राजनीतिक कदम है। विजय चौधरी हमेशा से नीतीश कुमार की श्कोर कमेटीश का अहम हिस्सा रहे हैं। इस नई सरकार में भाजपा भले ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज है लेकिन विजय चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को उपमुख्यमंत्री बनाकर

जदयू ने यह सुनिश्चित किया है कि सत्ता और प्रशासन पर उसकी मजबूत पकड़ बनी रहे। विजय कुमार चौधरी बिहार की राजनीति के उन गिने–चुने नेताओं में से हैं जो अपनी सादगी, बौद्धिक क्षमता और बेहतरीन संसदीय ज्ञान के लिए जाने जाते हैं। विवादों से दूर रहकर काम करने की शैली उन्हें एक अलग पहचान देती है। 8 जनवरी 1957 को समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय में एक भूमिहार ब्राह्मण परिवार में जन्मे विजय चौधरी के पिता स्वर्गीय जगदीश प्रसाद चौधरी, एक स्वतंत्रता सेनानी थे और कांग्रेस के टिकट पर दलसिंहसराय से तीन बार विधायक रहे।

डीजल पेट्रोल की कमी को लेकर न घबराये लोग - डीएसओ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जिले में डीजल पेट्रोल की कोई कमी नहीं है यह सभी पेट्रोल टंकियों पर पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है।वाहन चालक तथा अन्य जिले के लोग डीजल पेट्रोल के लिए पैनिक ना रहे यह बातें जिला पूर्व अधिकारी बृजेश मिश्रा ने एक मुलाकात में कहीं। उन्होंने बताया कि डीजल पेट्रोल की कमी को

लेकर अफवाहों पर ध्यान ना दें और ना ही अफवाह फैलाई बताया कि डीजल पेट्रोल की गुरुवार की स्थिति पर उन्होंने अपने कार्यालय पर पेट्रोल पंपों के स्वामियों के साथ बैठक किया जहां पर उन्होंने पेट्रोल पंपों के स्वामियों को सख्त निर्देश दिए कि लोगों को शांति व्यवस्था के बीच डीजल व पेट्रोल उपलब्ध कारण इसी बीच गुरुवार को ही इस समस्या के लिए डीएम की अध्यक्षता में एक बैठक भी की गई है उसमें जो निष्कर्ष सामने आएगा तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर आपूर्ति विभाग आगे कदम उठाएगी बताते चले बुधवार की देर शाम एक बार फिर डीजल पेट्रोल की कमी लोगों में फैली और देखते ही देखते शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों पर स्थित पेट्रोल टंकियां पर छोटे बड़े वाहनों की लंबी लाइन लग गई यहां तक कि शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में स्थित पेट्रोल टंकियां पर जहां एक और इन वाहनों की लंबी लाइन लगी हुई थी जहां पर पुलिस की सुरक्षा कर्मी भी मौजूद थे वहीं कुछ पेट्रोल टंकी बंद भी पाए गए।

टेबल टेनिस सिर्फ गति नहीं, धैर्य और संतुलन का खेल : पुष्कर सिंह धामी

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को देहरादून में उत्तराखण्ड टेबल टेनिस एसोसिएशन द्वारा आयोजित 87वां इंटर–स्टेट जूनियर एवं यूथ नेशनल टेबल टेनिस चौम्पियनशिप–2025 का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पूरे आत्मविश्वास, उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतिभागियों को इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, ष्यह अपनी प्रतिभा दिखाने और अपनी एक नई पहचान बनाने का अवसर है। टेबल टेनिस एक ऐसा खेल है जिसमें न केवल गति बल्कि संतुलन की भी आवश्यकता होती है। इस संतुलन को तकनीक, प्रौद्योगिकी, धैर्य, कौशल

और मजबूत मानसिक शक्ति के साथ बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नेशनल टेबल टेनिस की चौंपियनशिप हो रही है। मैं सभी प्रतिभागियों को बहुत बधाई देता हूं और शुभकामनाएं देता हूं। टेबल टेनिस संघ महासंघ का भी धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे राज्य को इसकी मेजबानी का अवसर दिया है और हमारा राज्य अब खेलों की दृष्टि से और खेलों की मेजबानी की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण स्थान बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप देख रहे होंगे कि जहां राष्ट्रीय खेलों का आयोजन हुआ था, शानदार आयोजन हुआ, उसका एक अनुभव पूरे देश के खिलाड़ी लेकर गए। इसके साथ साथ अब जो हमारी आइस रिंग बनी है, उसमें राष्ट्रीय नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं हो रही हैं। टिहरी जो हमारी लेक है, उसमें पूरे वर्ष भर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं हो रही हैं। इस बार के जो राष्ट्रीय खेलों के आयोजन थे, उसमें हमारे खिलाड़ियों ने 103 पदक जीतकर एक उपलब्धि राज्य के लिए प्राप्त की थी। हमारे खिलाड़ियों का मनोबल नवोदित उदयमान आने वाले भविष्य के जो खिलाड़ी हैं, उनको भी बहुत बड़ी प्रेरणा मिल रही है और देवभूमि अब खेल भूमि के रूप में भी आगे बढ़ रही है।

संपादकीय

आत्म–निरीक्षण का विषय

विदेश मंत्री एस. जयशंकर के लिए यह आत्म–निरीक्षण का विषय होना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मसलों में आज भारत की कोई भूमिका क्यों नहीं बची है? फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्यों अलग–थलग नजर आया? जब ये साफ हो गया कि प्रधानमंत्री भाग नहीं लेंगे, तो ईरान युद्ध पर बुलाई गई सर्वदलीय महज रस्म–अदायगी भर रह गई। ऐसी बैठकों की तभी अहमियत होती है, जब उनका मकसद उत्पन्न परिस्थिति पर पूरी पारदर्शिता बरतते हुए सभी पक्षों के बीच आम–सहमति बनाना होता है। ऐसा तभी हो सकता है, जब देश के शीर्ष नेता बैठक में उपस्थित रहें। और सिर्फ तभी किसी संकट काल में पूरा देश एक स्वर में बोल सकता है। बहरहाल, नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में ऐसी राष्ट्रीय एकजुटता दुर्लभ होती चली गई है। नतीजतन, सर्वदलीय बैठकें सियासी नैरेटिव को प्रचारित करने का एक और मौका बन जाती हैं। यही हाल पश्चिम एशिया में युद्ध पर बुलाई गई बैठक का हुआ। विपक्ष ने उसे अपने इस कथानक को बल देने का अवसर बनाया कि मोदी सरकार की कूटनीतिक विफलताओं ने भारतीय आवाम को गहरी मुसीबत में डाल दिया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत अप्रासंगिक होता जा रहा है। इसी सिलसिले में पाकिस्तान के मध्यस्थ बन कर उभरने की चर्चा हुई। तो उस पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हैरतअंगेज टिप्पणी की। उन्होने कहा कि भारत पाकिस्तान की तरह दलाली नहीं कर सकता! अमेरिका ने पाकिस्तान को क्यों मध्यस्थ बनाया और ये भूमिका स्वीकार कर पाकिस्तान ने क्या जोखिम मोल लिए हैं, ये दीगर सवाल हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता को दलाली बताना अपनी विदेश नीति की घोर विफलता से पैदा हुए असंतोष का ही इजहार समझा जाएगा। वरना, कोरिया युद्ध, कॉन्गो युद्ध, श्रीलंका के गृह युद्ध आदि में मध्यस्थता का भारत के बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। यहां तक कि यूक्रेन युद्ध में प्रधानमंत्री मोदी ने संवाद और कूटनीतिक समाधान के संदेश दोनों पक्षों को दिए। अतरू जयशंकर के लिए यह आत्म–निरीक्षण का विषय होना चाहिए कि आज अंतरराष्ट्रीय मसलों में भारत की कोई भूमिका क्यों नहीं है? बात यहीं तक नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह अलग–थलग नजर आया, वह हालिया तजुर्बा है। इन सवालों पर गौर करने के बजाय दलाल ना होने का झूठा फख्र किसी काम का नहीं है। उससे भारतीय जनमत के सिर्फ एक हिस्से को ही बहलाया जा सकता है।

आखिरकार सुनी गई आधी आबादी की आवाज

जब महिलाएँ सशक्त होती हैं, तो भारत मजबूत होता है। घर की गरिमा से लेकर संसद में समान आवाज तक, यह एक नए और आत्मविश्वास से भरे भारत की परिकल्पना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की महिलाएँ सदैव महान कार्यों में सक्षम रही हैं। वैदिक काल में गार्गी और मैत्रेयी ने बड़े–बड़े दार्शनिकों को निरुत्तर कर दिया था। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर ने जिस न्यायपूर्ण तरीके से अपने राज्य का शासन चलाया, उसकी बराबरी उनके समकालीन शासक नहीं कर सके। रानी लक्ष्मीबाई साहस की एक अमर मिसाल बन गईं। फिर भी, स्वतंत्र भारतकृजो समानता के सिद्धांत पर आधारित एक संवैधानिक गणराज्य है ने इन महान महिलाओं की उत्तराधिकारियों को अपनी विधायिकाओं में शायद ही कोई जगह दी। पहली लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या मात्र 4.4 प्रतिशत थी। सात दशक बाद, 17वीं लोकसभा में भी यह आंकड़ा बढ़कर केवल 14.4 प्रतिशत तक ही पहुँच पाया। व्यक्तिगत प्रतिभा ने तो अपनी जगह बना ली थी, लेकिन व्यवस्थागत बदलाव अभी भी नहीं आया था। असल में, महिलाएं अपने ही लोकतंत्र में एक तरह से मेहमान बनकर ही रह गईं। हमारे संविधान ने पहले ही दिन से यह स्वीकार किया था कि जब सदियों से ढांचागत विसंगतियां जड़ जमाए बैठी हों, तो केवल औपचारिक समानता पर्याप्त नहीं होती। संरक्षणात्मक भेदभाव के सिद्धांत के तहत अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और बाद में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की गईं। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि पंचायतों में आरक्षण की व्यवस्था सफल रही हैरू 24 मार्च 2026 तक, निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 49.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। जिन जगहों पर महिलाएँ शासन करती हैं, वहाँ पानी की आपूर्ति सुचारू होती है, साफ–सफाई की स्थिति बेहतर होती है और लड़कियाँ स्कूल जाना जारी रखती हैं। इसके बावजूद, संसद में भी इसी सिद्धांत को लागू करने के उद्देश्य से जो विधेयक पेश किए गए थे, वे राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में दशकों तक बार–बार निष्प्रभावी होते रहे। वह क्षण जिसने सब कुछ बदल दिया – वह अधूरी कड़ी 19 सितंबर 2023 को पूरी हुई। भारत के नए संसद भवन में आयोजित कामकाज के पहले ही सत्र में, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद के दोनों सदनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के सर्वसम्मत समर्थन से पारित किया गया। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधेयक पेश करते हुए दोनों सदनों को बताया यह कानून केवल एक कानून नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक भारतीय महिला की शक्ति, त्याग और सामर्थ्य के प्रति एक श्रद्धांजलि है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक–तिहाई सीटें आरक्षित करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए उप–कोटा भी शामिल है। नए संसद भवन का यह पहला अधिनियम होना अपने आप में एक घोषणा थीरू अमृत काल के लोकतंत्र की संरचना पूरे भारत के लिए और सभी की भागीदारी के साथ निर्मित की जाएगी। इस अधिनियम में बदलाव लाने की अपार क्षमता है, क्योंकि इसके लागू होने से संसद में महिला सदस्यों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। महिला विधायक निरंतर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैंकृये वही क्षेत्र हैं, जहाँ भारत में लैंगिक असमानता सबसे अधिक है। एक ऐसी संसद, जिसमें एक–तिहाई सदस्य महिलाएँ होंगी, वह अलग तरह के प्रश्न पूछेगी और अलग तरह के विचार सुनेगी। इससे भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में सुधार होगा, न कि केवल उसकी बाहरी छवि में। गरिमा से लोकतंत्र तक की यात्रा हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा यह समझा है कि जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण के बिना राजनीतिक सशक्तिकरण खोखला होता है। उनके द्वारा शुरू की गई यह यात्रा अत्यंत बुनियादी गरिमा से लेकर सर्वोच्च लोकतांत्रिक भागीदारी तक एक सुविचारित पथ पर आगे बढ़ती है। इसकी शुरुआत एक शौचालय से हुई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए गए 10 करोड़ घरेलू शौचालयों ने उन महिलाओं को सुरक्षा और आत्म–सम्मान लौटाया, जिन्हें लंबे समय से इन दोनों से वंचित रखा गया था। जल जीवन मिशन ने 15 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुँचाया। महिलाओं को मीलों पैदल चलकर पानी ढो कर लाने से मुक्ति मिली जिससे उनका सुबह का कीमती समय जाया हो जाता था।

आंबेडकर के लिए राष्ट्र का भाग्य सर्वोपरि था

नीतीश

आंबेडकर को संविधान निर्माता के तौर पर पहचान मिली है, लेकिन वह प्लानर और अर्थशास्त्री भी थे। बहुमुखी प्रतिभा वालों के साथ अन्याय होता है। जिन परिस्थितियों में आंबेडकर ने काम किया और अपने अनुयायियों का पथ प्रदर्शन दिया, उस दिशा में उनका राष्ट्रवादी अभिमत अभिव्यक्त होता रहा। उनकी खास बात यह भी थी कि मत परिवर्तन किया तो भारतीय जड़ों से आबद्ध बौद्ध धर्म में किया। संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के पुरोधा डॉ. भीमराव आंबेडकर की अभिव्यक्ति राष्ट्रवादी आंदोलन से लेकर आजीवन एक प्रखर दलित लड़ाके के तौर पर बेधड़क रही, परंतु भारत और भारतीयता को सर्वोपरि मानकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सद्भाव को अपने मन, वाणी और कर्म में उन्होंने संजोए रखा।मध्यप्रदेश के महू में 14 अप्रैल, 1891 को जन्मे आंबेडकर के जीवन को समझना बहुत कठिन है इसलिए आज की सामाजिक–राजनीतिक परिस्थितयों के बीच आंबेडकर को लेकर अर्द्ध सत्य की धारणा ने जोर पकड़ा है, जिसमें सामाजिक, धार्मिक वैमनस्यता और देश के भाग्य–विधाताओं को खांचों में बांटकर सिर्फ वोट की राजनीति का कुत्सित क्रियाकलाप चलना भर रह गया है। राजनीति उनके भाषणों से ही नीर–क्षीर किया जा सकता है। 17 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा में लक्ष्य संबंधी प्रस्ताव पर 10 मिनट के भाषण में उन्होंने कहा, श्जहां राष्ट्र के भाग्य का फैसला करने का प्रश्न हो, वहां नेताओं, दलों और संप्रदायों की शान का कोई मूल्य नहीं होना चाहिए। वहां तो राष्ट्र के भाग्य को ही सर्वोपरि रखना चाहिए।श आंबेडकर को मानने वालों के लिए यह बहुत बड़ी सीख है।आंबेडकर को संविधान निर्माता के तौर पर पहचान मिली है, लेकिन वह प्लानर और अर्थशास्त्री भी थे। बहुमुखी प्रतिभा वालों के साथ अन्याय होता है। जिन परिस्थितियों में आंबेडकर ने काम किया और अपने अनुयायियों का पथ प्रदर्शन दिया, उस दिशा में उनका राष्ट्रवादी अभिमत अभिव्यक्त होता रहा। उनकी खास बात यह भी थी कि मत परिवर्तन किया तो भारतीय जड़ों से आबद्ध बौद्ध धर्म में किया, किसी बाहरी धर्म या संप्रदाय में नहीं। सामर्थ्यपूर्ण पद्धति से चलने वाले धर्म में किया। यह उनके मूल चरित्र को अभिव्यक्त करता है। यह उनकी एक और विशेषता समझ में आती है।संविधान–सभा में आंबेडकर कहते हैं– श्मैं जानता हूं कि आज हम राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक सभी दृष्टियों से विभक्त है। आज हमारा देश कई लड़ाकू दलों में बंट गया है, और मैं तो यहां तक मंजूर करूंगा कि ऐसे ही एक लड़ाकू दल के नेताओं में शायद मैं भी एक हूं, परंतु सभापति महोदय इन सब बातों के बावजूद मुझे इस बात का पक्का विश्वास है कि समय और परिस्थितियां अनुकूल होने पर दुनिया की कोई भी ताकत इस मुल्क को एक होने से रोक नहीं सकती। जाति और धर्म की भिन्नता के बावजूद भी हम किसी न किसी रूप में एक होंगे।श्वे आगे कहते हैं– श्इसमें मुझे जरा भी शक नहीं है और यह कहने में मुझे रंच मात्र का संकोच भी नहीं है कि यद्यपि मुस्लिम लीग आज भारत के विभाजन के लिए भयानक आंदोलन कर रही है पर एक न एक दिन स्वयं मुसलमान में बुद्धि आएगी और वह समझने लगेंगे कि उनके लिए भी संयुक्त भारत ही सर्वाधिक कल्याणकर है।श आंबेडकर ने राष्ट्र व समाज के साथ नागरिक के अधिकारों के संरक्षण पर काफी जोर दिया। इससे अंतिम पायदान के व्यक्ति को संवैधानिक तौर पर समाज और सरकार से सुरक्षा मिल सके।देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू के लक्ष्य संबंधी प्रस्ताव पर ही आंबेडकर ने कहा कि इसमें अधिकारों की चर्चा की गई है पर उनकी सुरक्षा का कोई उपाय नहीं किया गया है। हम सभी इस बात को जानते हैं कि अधिकारों का कोई महत्व नहीं है यदि उनकी रक्षा की व्यवस्था न हो ताकि अधिकारों पर जब कभी कुठाराघात हो तो लोग उनका बचाव कर सकें। ऐसे उपचारों पर इस प्रस्ताव में बिल्कुल अभाव है। राजनीतिक विश्लेषण सेवा इस सामान्य सिद्धांत का भी इसमें उल्लेख नहीं है कि किसी नागरिक के जीवन और संपत्ति का तब तक अपहरण नहीं किया जाएगा जब तक कि कानून खूब जांच–पड़ताल कर इसकी आज्ञा न दे दे। प्रस्ताव में उल्लेखित मौलिक अधिकारों को भी कानून और सदाचार के अधीन रख दिया गया है। निश्चित ही कानून और सदाचार क्या है– इसका निर्धारण उस दौर का शासन प्रबंध करेगा। किसी प्रबंध का एक फैसला हो सकता है और दूसरे का दूसरा। हम निश्चय रूप से यह नहीं जानते हैं कि इन मौलिक अधिकारों की स्थिति क्या होगी, अगर यह शासन प्रबंध की मर्जी पर छोड़ दिए जाते हैं। बहरहाल, देश में राम राज्य की बात होती है। अगर आज आंबेडकर होते तो अपने भाषणों में कहते कि वह तभी पूरी होगी जिसमें श्सब नर करहूं परस्पर प्रीतिश होने के साथ सत्ता, संपत्ति और सम्मान में सबकी समुचित भागीदारी हो।श देश ने सोमवार को बाबा साहेब की 135वीं जयंती मनाई। यह अवसर उनके सपनों का भारत बनाने का निश्चय दोहराने का है।

2029 को लेकर अभी से डरे हुए हैं मोदी

अनिल

कांग्रेस की ओर से पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके परिसीमन के प्रस्ताव पर सवाल उठाया। रमेश ने कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन का मामला व्यापक रूप से ध्यान भटकाने की योजना का हिस्सा है। रमेश ने इस बात पर भी सवाल उठाया कि कैसे सरकार कह रही है कि परिसीमन के बाद उत्तर भारत के राज्यों का दबदबा नहीं बढ़ेगा और दक्षिण के राज्यों का असर कम नहीं होगा? लोकसभा चुनाव– 2024 के नतीजों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी का आत्मविश्वास बुरी तरह हिला रखा है। यद्यपि चुनाव आयोग बिल्कुल उनके मनमाफिक काम कर रहा है और ऐसा करते हुए वह निष्पक्ष रहना तो दूर, निष्पक्ष होने का दिखावा तक नहीं कर रहा है। उसकी तमाम असंवैधानिक और अनैतिक कारगुजारियों को न्यायपालिका का भी पूरा–पूरा संरक्षण मिला हुआ है। कॉरपोरेट नियंत्रित मीडिया भी पूरी तरह से सरकार और भाजपा के प्रचार तंत्र का हिस्सा बना हुआ है। इसी सबके चलते भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार के विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीतें हासिल की हैं। इसके बावजूद 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर मोदी बेहद डरे हुए हैं। उनका यह डर लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण 2029 से ही लागू कराने और 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कराने को लेकर उनकी हड़बड़ी में साफ देखा जा सकता है।दरअसल तमाम मोर्चों पर अपनी सरकार की नाकामियों के बावजूद 2019 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए कई विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत ने मोदी में इतना आत्मविश्वास भर दिया था कि उन्होंने 2024 के चुनाव में श्अबकी बार 400 पारश का नारा दे दिया था। वे मानकर चल रहे थे उन्हें 400 सीटों का बहुमत मिल ही जाएगा। उनके इसी आत्मविश्वास के बूते वे खुद तो नहीं लेकिन उनकी पार्टी के दूसरे कई वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री खुलेआम संविधान बदलने और भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की बातें करने लगे थे, जिसे मोदी भी नकार नहीं रहे थे। मगर उनकी तमाम तिकड़मों और चुनाव आयोग द्वारा की गई गड़बड़ियों के बावजूद चुनावी परिणाम उनकी उम्मीदों के विपरीत आए।लोकसभा चुनाव 2014 में मिली 282 और 2019 में मिली 303 सीटों के मुकाबले 2024 में भाजपा जैसे–तैसे 240 सीटें ही जीतने में कामयाब रही। यानी बहुमत से बहुत दूर। मोदी खुद वाराणसी में जैसे–तैसे जीत पाए। करीब दो दर्जन पार्टियों के बने उनके गठबंधन (एनडीए) को भी कुल मिलाकर 292 सीटें ही हासिल हो सकीं, जो कि स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से महज 20 सीटें अधिक रहीं। कुल मिला कर जैसे–तैसे सरकार चलाने लायक बहुमत मिला। ऐसे में संविधान बदलने या उसमें कोई भी मनमाना संशोधन करने का उनका मंसूबा धरा रह गया। बस, यही स्थिति मोदी के लिए भविष्य में होने वाले चुनावों और खास कर 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर चिंता का सबब बन गई। यही नहीं, उन्हें विभाजनकारी और धार्मिक नारों की सीमाएं भी समझ में आ गईं कि अब इनका और ज्यादा दोहन नहीं किया जा सकता।कई छोटे–छोटे दलों के समर्थन रूपी बैसाखियों के सहारे तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी ने भविष्य में होने वाले चुनावों को जीतने की योजना पर काम करना शुरू किया। इस योजना के तहत चुनाव से ठीक पहले कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर मतदाताओं के खाते में सरकारी खजाने से नकद राशि ट्रांसफर करने की योजनाएं घोषित हुईं और जिनकी किस्तें चुनाव के दौरान जारी हुईं। ऐसा करना आदर्श चुनाव आचार संहिता के सरासर खिलाफ था, लेकिन चुनाव आयोग मूकदर्शक बना रहा। इस योजना को हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई लेकिन न्यायपालिका ने भी इस अनैतिक हथकंडे पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। इसके अलावा महाराष्ट्र और हरियाणा में मतदान और मतगणना में भी चुनाव आयोग ने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों को अंजाम देकर भाजपा की जीत का रास्ता साफ किया था।महाराष्ट्र और हरियाणा का चुनाव जीतने के बाद मतदाताओं के खाते में नकद राशि ट्रांसफर करने की योजना बिहार में भी लागू की गई। इसके अलावा चुनाव आयोग के माध्यम से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के नाम पर जीत सुनिश्चित करने वाली एक नई योजना भी शुरू की गई, जिसकी शुरुआत दिल्ली से हुई और बाद में बिहार में भी लागू की गई। दोनों राज्यों में चुनाव आयोग ने एसआईआर के बहाने मनमाने तरीके से लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाए, जिससे दोनों राज्यों में भाजपा और उसके गठबंधन को आसानी से जीत हासिल हो गई। बिहार और दिल्ली में कामयाबी के बाद एसआईआर के हथियार को अभी हो रहे चुनाव वाले राज्यों– तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और पुड्डुचेरी सहित नौ राज्यों में भी आजमाया गया और हर राज्य में चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से लाखों लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए हैं। अलबत्ता असम को इस योजना से मुक्त रखा गया। जाने–माने अर्थशास्त्री डॉ. पराकला प्रभाकर ने, जो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति हैं, क्षेत्र विशेष और वर्ग विशेष के मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाने की चुनाव आयोग की रातों–रात श्नाम मिटाओ, नाम चढ़ाओ और चुनाव जिताओ परियोजनाश को दुनिया का सबसे बड़ा रक्तहीन राजनीतिक जनसंहार करार दिया है। राजनीतिक विश्लेषण सेवा बहरहाल, प्रधानमंत्री को इतने से भी संतोष नहीं है। वे 2029 के चुनाव को लेकर कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं। इसलिए वे 2029 के बाद लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन कानून और लोकसभा व विधानसभा की सीटों के परिसीमन को भी 2029 के चुनाव से ही लागू करने की हड़बड़ी दिखा रहे हैं। हालांकि यह इतना आसान नहीं है, क्योंकि दोनों मामले संविधान संशोधन से जुड़े हुए हैं और संविधान संशोधन के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत सरकार के पास नहीं है। पहले ऐसा लग रहा था कि महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर विपक्षी दल दुविधा में है और उनके लिए इसका विरोध करना आसान नहीं होगा। लेकिन अब धीरे–धीरे विपक्ष दलों ने अपना रुख स्पष्ट करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी यानी लोकसभा की क्रमशरू दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी पार्टियों ने अपना स्टैंड स्पष्ट कर दिया है। असल में विपक्ष के सामने दुविधा इस बात को लेकर थी कि अगर केंद्र सरकार की ओर से लाए जा रहे संविधान संशोधन विधेयक का विरोध किया जाता है तो विपक्षी पार्टियों को महिला आरक्षण का विरोधी बताया जाएगा। यह खतरा अब भी है लेकिन विपक्ष की ओर से अब यह बताने का प्रयास किया जा रहा है कि सभी पार्टियां महिला आरक्षण के तो पक्ष में हैं लेकिन परिसीमन का समर्थन नहीं कर रही हैं।कांग्रेस की ओर से पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके परिसीमन के प्रस्ताव पर सवाल उठाया। रमेश ने कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन का मामला व्यापक रूप से ध्यान भटकाने की योजना का हिस्सा है। रमेश ने इस बात पर भी सवाल उठाया कि कैसे सरकार कह रही है कि परिसीमन के बाद उत्तर भारत के राज्यों का दबदबा नहीं बढ़ेगा और दक्षिण के राज्यों का असर कम नहीं होगा? उन्होंने इसके लिए केरल की मिसाल दी ।

मजदूरों के गुस्से का पाकिस्तान और नक्सली लिंक

मई दिवस या अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस आने में अभी एक पखवाड़े का वक्त बचा है, लेकिन जिन वजहों से 140 साल पहले मजदूरों ने अपनी आवाज बुलंद की थी, वो वजहें अब कई गुना सघनता के साथ समाज में मौजूद हैं। इसकी झलक सोमवार और मंगलवार को उत्तरप्रदेश के औद्योगिक नगर नोएडा में दिखाई दी। वही नोएडा जहां कुछ दिनों पहले जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया और कहा कि अब युवाओं के विकास की उड़ान को पंख मिलेंगे। दिल्ली से सटे नोएडा में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तर और कारखाने हैं। आलीशान रिहायशी इलाके हैं, जहां करोड़ों के फ्लैटों और कोठियों में समाज का उच्च्च तबका रहता है। लेकिन इस चमचमाती दुनिया के पीछे वही मलिन बस्तियां हैं, जिन्हें छिपाने के लिए अक्सर सफेद पर्दे डाल दिए जाते हैं।याद कीजिए अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप से लेकर दिल्ली में जी–20 की बैठक तक जब भी अंतरराष्ट्रीय मेहमान भारत आए, ऐसे ही गरीबी को छिपाया जाता रहा। लेकिन सोमवार 13 अप्रैल को नोएडा के फेज टू में एक निजी कंपनी के श्रमिकों ने काम के घंटे और मेहनताने को लेकर जो प्रदर्शन किया, वह छिपाया नहीं जा सका। चूंकि कई बड़े चौनलों के दफ्तर नोएडा में ही हैं, तो यहां मजदूरों के भड़के असंतोष और उसे दबाने के लिए की गई प्रशासनिक सख्ती को पूरा कवरेज मिला। हालांकि नोएडा से पहले कई और शहरों में मजदूरों की नाराजगी सामने आई है।इस साल फरवरी में बिहार के बरौनी में मजदूर न्यूनतम वेतन बढ़ाने और काम के घंटे तय करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे। इसके बाद सूरत, मानेसर, पानीपत और फिर नोएडा तक यह सिलसिला फैल गया। इन सभी जगहों पर मांगें लगभग एक जैसी थीं– न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, ओवरटाइम का सही भुगतान, बकाया राशि का निपटारा और स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं। मजदूर संगठनों का कहना है कि नवंबर 2025 में लागू हुए नयी श्रमिक संहिता के बाद मजदूरों को उम्मीद थी कि उनकी स्थिति बेहतर होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नोएडा का विरोध प्रदर्शन खास तौर पर इसलिए व्यापक हो गया क्योंकि वहां बड़ी संख्या में ठेका मजदूर काम करते हैं। ये मजदूर ठेकेदारों के जरिए रखे गए हैं और उन्हें न तो स्थायी नौकरी की सुरक्षा है और न ही पीएफ या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलती है। 8 अप्रैल से ही मजदूरों का विरोध प्रदर्शन शुरु हो गया था जो धीरे–धीरे तेज हुआ और सोमवार को यह हिंसक हो गया। ट्रेड यूनियन नेताओं का आरोप है कि पिछले पांच दिनों से उन्हें नजरबंद रखा गया था, जिससे हालात और बिगड़ गए। उनका कहना था कि जब मजदूरों से बातचीत ही नहीं होगी, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर होनी ही थी।मजदूर वर्ग की ऐसी नाराजगी किसी भी सत्ता के लिए चेतावनी होती है कि उसकी नीतियों से जनता संतुष्ट नहीं है, लिहाजा उसे आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। लेकिन मौजूदा भाजपा के शासनकाल में सत्ता से नाराजगी सीधे देश से विद्रोह मान लिया जाता है। जब किसान आंदोलन हुआ था तो उसे खालिस्तानी आतंकवाद से जोड़ा गया था। शाहीन बाग के आंदोलन में अंतरराष्ट्रीय साजिश देखी गई। और अब नोएडा में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन में पाकिस्तान और नक्सलवाद का कोण सरकार ने ढूंढ निकाला है। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने मजदूरों की वाजिब मांग को श्बड़ी साजिशश का हिस्सा बताया और कहा कि इसमें श्पाकिस्तान लिंकश की भी जांच की जा रही है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बयान दिया कि यह श्नक्सलवाद को फिर से जीवित करने की साजिशश का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने अधिकारियों को सतर्क रहने और श्विघटनकारी तत्वोंश की पहचान करने के निर्देश दिए हैं।कितनी चालाकी से सरकार ने अपनी जिम्मेदारी पाकिस्तान और नक्सलवाद पर डालने की कोशिश की, हालांकि बाद में सरकार ने औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की, जिसे मजदूरों और उद्योगों के बीच बातचीत कर समाधान निकालने का जिम्मा दिया गया। अब सरकार ने न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की घोषणा की है। नोएडा (गौतम बुद्ध नगर) और गाजियाबाद में अब अकुशल मजदूर को 13,690 रुपये, अर्ध–कुशल को 15,059 रुपये और कुशल मजदूर को 16,868 रुपये मासिक वेतन तय किया गया है। अन्य नगर निगम क्षेत्रों और बाकी जिलों में भी इसी तरह अलग–अलग दरें तय की गईं हैं। सरकार ने वेतन बढ़ोतरी को श्संतुलित कदमश बताया है। लेकिन मजदूरों की शुरुआती मांगों और उनकी वास्तविक आय–व्यय की स्थिति को देखते हुए यह सवाल बना हुआ है कि क्या यह बढ़ोतरी उनके जीवन स्तर में वास्तविक सुधार ला पाएगी? बता दें कि नोएडा की फैक्ट्रियों में औसत वेतन 10–15 हजार रुपये के बीच है, जो बढ़ती महंगाई, खासकर मौजूदा ऊर्जा संकट के बाद, जीवनयापन के लिए पर्याप्त नहीं है। क्योंकि मजदूरों का वेतन तो वहीं का वहीं है, लेकिन इस बीच खाद्य सामग्री, शिक्षा, इलाज और किराया सबकी कीमतें बढ़ गई हैं। बहुत से मजदूर इसी वजह से गांवों में वापस लौट गए हैं, हालांकि वहां भी उनके लिए खेती–किसानी बची नहीं है। मजदूरों का कहना है कि भत्तों में बढ़ोतरी से बचने के लिए कर्मचारियों को नौ महीने के भीतर ही बर्खास्त कर दिया जाता है और फिर से नियुक्त कर लिया जाता है। उन्हें डर है कि कारखाना मालिकों ने सरकार के दबाव में न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग मान तो ली है, लेकिन उसे लागू करने में अभी से आनाकानी कर रहे हैं।इसी डर की वजह से सोमवार के बाद मंगलवार को सेक्टर 80 में ऐसा ही विरोध प्रदर्शन भड़क उठा। कम वेतन को लेकर प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया और इलाके को खाली करा लिया।

नारी शक्ति वंदन से बदलेगी सामाजिक चेतना : सुषमा पटेल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से नारी शक्ति वंदन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से गुरुवार को एक विशाल पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों ने भारी संख्या में भाग लिया, जो महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के संकल्प को दर्शाता है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्रीमती सुषमा पटेल ने नारी शक्ति वंदन पर अपना बयान देते हुए कहा, ष्नारी शक्ति वंदन न केवल एक अभियान है, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की संस्कृति को मजबूत करने का माध्यम है। प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, ताकि नारी शक्ति का वंदन हर घर, हर गली में गूंजे।ष उन्होंने कहा कि पहली बार केंद्र की सरकार ने महिलाओं के हितों के लिए यह कदम उठाया है, जो कि सराहनीय कदम है। कुलसचिव केश लाल ने कहा कि विश्वविद्यालय इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्ध है। नारी शक्ति वंदन जैसे प्रयास विद्यार्थियों में नैतिकता और सम्मान की भावना विकसित करेंगे। यह विद्यार्थियों को दायित्व के साथ साथ कर्तव्यबोध भी कराता है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह ने कहा, षशिक्षा का मूल उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज–सेवी बनाना है। यह पदयात्रा छात्रों को नारी सम्मान के प्रति जागरूक करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।ष उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों ने 9667173333 नंबर पर मिस्ड काल कर भारत सरकार की वेबसाइट पर नारी शक्ति वंदन के पक्ष में अपना समर्थन दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि ष्नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत यह पदयात्रा मुख्य द्वार से होते हुए परिसर में भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि इस संदेश को हर स्तर तक पहुंचाया जाए। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. मनोज पांडेय, डॉ.सुनील कुमार, डॉ. मंगला यादव, उपकुलसचिव बबिता सिंह, डॉ.अनु त्यागी, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका, डॉ. सोनम झा, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। पदयात्रा उत्साहपूर्ण रही, जिसमें नारे लगाए गए और पोस्टर बांटे गए।

रज्जू भैया संस्थान में स्नातक परीक्षाएं शांतिपूर्वक शुरू सीसीटीवी कैमरे के बीच हुई बीएससी अंतिम वर्ष की परीक्षा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान संस्थान में गुरुवार से स्नातक सम सेमेस्टर की परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में शुरू हो गईं। परीक्षा के प्रथम दिन बीएससी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षा निर्धारित समयानुसार आयोजित की गई, जो पूर्णतः सकुशल एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षाएं कड़ी निगरानी और सीसीटीवी कैमरे के बीच कराई गई। केंद्राध्यक्ष एवं संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं शासन के दिशा–निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं पूर्व से ही सुनिश्चित कर ली गई थीं। परीक्षार्थियों के लिए कक्षों में बैठने की समुचित व्यवस्था, प्रश्नपत्रों का सुरक्षित वितरण तथा उत्तर पुस्तिकाओं के संकलन की प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई। परीक्षार्थियों ने भी नियमों का पालन करते हुए परीक्षा दी, जिससे परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सकी। परीक्षा संचालन में सहायक केंद्राध्यक्ष के रूप में डॉ. संदीप कुमार वर्मा एवं डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों सहायक केंद्राध्यक्षों ने परीक्षा व्यवस्था का निरंतर निरीक्षण किया तथा किसी भी संभावित समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम ने 19 केंद्रों पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, प्रत्येक पाली में 8400 परीक्षार्थी शामिल होंगे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के पदों पर एनरोलमेंट–2025 की लिखित परीक्षा की तैयारियों को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई इस बैठक में परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने पर विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि लिखित परीक्षा 25, 26 और 27 अप्रैल को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और दूसरी

पाली दोपहर 03:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक चलेगी। जिले में कुल 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। परीक्षा की प्रभावी निगरानी के लिए प्रत्येक केंद्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट और जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, केंद्र व्यवस्थापक, सहायक केंद्र व्यवस्थापक और परीक्षा सहायक भी नियुक्त किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक पाली में 8400 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहने और परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन न केवल एक अभियान है, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की संस्कृति को मजबूत करने का माध्यम है : सुषमा पटेल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से नारी शक्ति वंदन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से गुरुवार को एक विशाल पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों ने भारी संख्या में भाग लिया, जो महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के संकल्प को दर्शाता है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्रीमती सुषमा पटेल ने नारी शक्ति वंदन पर अपना बयान देते हुए कहा, ष्नारी शक्ति वंदन न केवल एक अभियान है, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की संस्कृति को मजबूत करने का माध्यम है। प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, ताकि नारी शक्ति का वंदन हर घर, हर गली में गूंजे।ष उन्होंने कहा कि पहली बार केंद्र की सरकार ने महिलाओं के हितों के लिए यह कदम उठाया है, जो कि सराहनीय कदम है। कुलसचिव केश लाल ने कहा कि विश्वविद्यालय इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्ध है। नारी शक्ति वंदन जैसे प्रयास विद्यार्थियों में नैतिकता और सम्मान की भावना विकसित करेंगे। यह विद्यार्थियों को दायित्व के साथ साथ कर्तव्यबोध भी कराता है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह ने कहा, षशिक्षा का मूल उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज–सेवी बनाना है। यह पदयात्रा छात्रों को नारी सम्मान के प्रति जागरूक करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।ष उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों ने 9667173333 नंबर पर मिस्ड काल कर भारत सरकार की वेबसाइट पर नारी शक्ति वंदन के पक्ष में अपना समर्थन दिया।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि ष्नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत यह पदयात्रा मुख्य द्वार से होते हुए परिसर में भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि इस संदेश को हर स्तर तक पहुंचाया जाए। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. मनोज पांडेय, डॉ.सुनील कुमार, डॉ. मंगला यादव, उपकुलसचिव बबिता सिंह, डॉ.अनु त्यागी, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका, डॉ. सोनम झा,सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। पदयात्रा उत्साहपूर्ण रही, जिसमें नारे लगाए गए और पोस्टर बांटे गए।

टीडी इंटर कॉलेज में सुविधाओं का विस्तार, कम फीस में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई शुरू : प्रधानाचार्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। टीडी इंटर कॉलेज में विद्यालय के समग्र विकास, आधुनिक सुविधाओं के विस्तार और शैक्षणिक सुधारों को लेकर प्रधानाचार्य डॉ. सत्य प्रकाश सिंह ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष से पहली बार विद्यालय में कक्षा 6 से 11 तक अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई का सफल संचालन शुरू किया गया है। प्रधानाचार्य ने कहा कि मात्र 25 रुपये फीस में छात्रों को सीबीएसई पैटर्न के बड़े स्कूलों की तर्ज पर कुशल शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। विद्यालय में प्रतिदिन संस्कारयुक्त प्रार्थना सभा आयोजित होती है, जिसमें गायत्री मंत्र, राष्ट्रगान और प्रेरक प्रसंग शामिल होते हैं। इसके अलावा प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ भी कराया जाता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे महंगे निजी स्कूलों के बजाय इस विद्यालय पर भरोसा करें, जहां कम लागत में बेहतर शिक्षा और सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके विद्यालय में अन्य सीबीएसई पैटर्न स्कूलों से बेहतर शिक्षण व्यवस्था और योग्य शिक्षक मौजूद हैं। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, परिसर में सीसीटीवी कैमरे और बड़े मॉनिटर लगाए गए हैं। बालिका भवन में छात्राओं की सुरक्षा के लिए दिन में पुरुष सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं। दिव्यांग शौचालय, इंटरलॉकिंग सड़क, हरा–भरा लॉन, 15 केवी जनरेटर, सबमर्सिबल पंप और स्वच्छ पेयजल के लिए आरओ सिस्टम की व्यवस्था की गई है। छात्राओं के स्वास्थ्य के लिए समय–समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं। विद्यालय मैदान को अतिक्रमण मुक्त कर पुनः उपयोग में लाया गया है। कक्षाओं में पंखों की संख्या बढ़ाई गई है तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए स्केटिंग, बॉक्सिंग और मल्लखंभ के प्रशिक्षकों की व्यवस्था की गई है। मुख्य भवन में मध्याह्न भोजन योजना के तहत छात्रों को निःशुल्क भोजन दिया जा रहा है। परिसर में देशभक्ति से प्रेरित वॉल पेंटिंग, ग्लो–शाइन बोर्ड, संस्थापक की प्रतिमा स्थल पर मंदिर निर्माण और पार्किंग की सुविधा भी विकसित की गई है। इसके अलावा प्रधानाचार्य कक्ष का सुदृढ़ीकरण, अत्याधुनिक प्रयोगशाला का निर्माण, तालाब का विकास, पोर्टिको में ग्रेनाइट कार्य, वाटर कूलर की व्यवस्था और मार्कण्डेय सिंह सभागार के विस्तार के साथ नई सीढ़ियों का निर्माण जैसे कई कार्य पूर्ण किए गए हैं। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि आगे भी छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता को लगातार उन्नत किया जाएगा।

होली चाइल्ड एकेडमी के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, परी गुप्ता ने 98.2% अंकों के साथ किया टॉप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में रुहट्टा स्थित होली चाइल्ड एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने बुधवार को घोषित सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष स्कूल की छात्रा परी गुप्ता ने 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में शीर्ष स्थान हासिल किया। विद्यालय के अन्य मेधावी छात्रों में रोहन यादव ने 96.2 प्रतिशत, आदित्य मौर्य और आयशा पाल ने 96 प्रतिशत तथा सान्वी श्रीवास्तव ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता दर्ज की। सभी सफल छात्रों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। इस उत्कृष्ट परिणाम पर विद्यालय की प्रधानाचार्या नीलम सिंह, प्रबंधक एवं समस्त शिक्षकगणों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने इस सफलता का श्रेय छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। प्रधानाचार्या नीलम सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की लगन, अनुशासन और निरंतर प्रयास का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सफलता अन्य छात्रों को भी प्रेरित करेगी और वे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। टॉपर परी गुप्ता ने अपनी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि उन्होंने नियमित पढ़ाई और समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया। वे रोजाना निश्चित समय पर अध्ययन करती थीं और सभी विषयों का बार–बार पुनरावृत्ति करती थीं। सैंपल पेपर और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र हल करना उनकी तैयारी का अहम हिस्सा रहा। उन्होंने बताया कि परीक्षा के दौरान सकारात्मक सोच बनाए रखना और समय–समय पर ब्रेक लेना उनके लिए फायदेमंद रहा। परी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, शिक्षकों और विद्यालय को दिया। उनका लक्ष्य भविष्य में आईएएस बनकर देश सेवा करना है।

ग्रामीण अंचल के छात्र रमन तिवारी ने भी किया नाम रोशन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। ग्रामीण अंचल के अमन ने किया नाम रोशन ग्रामीण क्षेत्र से के0एस0 पब्लिक स्कूल परवरपारा रेवतीगंज अयोध्या के छात्र अमन तिवारी ने सीबीएसई द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में 89: अंकों के साथ माता–पिता व परिवार का नाम रोशन किया।परीक्षा परिणाम में अमन तिवारी को 500 में 445 अंक मिले हैं।अमन तिवारी ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों और माता–पिता, दादा दादी को दिया है।वैसे अमन तिवारी अपने अंग्रेजी के परीक्षा परिणाम से खुश नहीं है लेकिन

फाइनल परीक्षा परिणाम आया जो भी आया है उससे पूरी तरह संतुष्ट हैं।अमन तिवारी भविष्य में एनडीए की सेवा में जाकर देश सेवा करना चाहते हैं।

मिशन शक्ति फेज 5 के तहत महिला एसओ आशा शुक्ला व महिला उप निरीक्षक चेतना पाण्डेय द्वारा लगातार किया जा रहा जागरूक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।गुरुवार को एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला उप निरीक्षक चेतना पांडे ने महिला कांस्टेबल शशिलता, महिला होमगार्ड शोभावती व महिला पुलिसकर्मियों के साथ जिला महिला चिकित्सालय,जिला पुरुष चिकित्सालय, रिकाबगंज, बल्लाहाता,चौक रोडवेज, गुरुगोविंद सिंह चौक, अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन सहित अन्य प्रमुख चौराहा तथा मार्गों पर महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उनके साथ मौजूद रही महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौर ने बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

बैग काटकर चोरी करने वाले गिरोह के 2आरोपी गिरफ्तार, 8 लाख के जेवर बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइनबाजार थाना अंतर्गत पुलिस ने बैग काटकर चोरी करने वाले गिरोह का सफल खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से लगभग 8 लाख रुपये कीमत के सोने के जेवरात बरामद किए हैं। इस मामले में पिछले दो दिनों में कुल 5 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक के.के. सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने मुकदमा संख्या 61ध्26 से संबंधित मामले का अनावरण करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पूछताछ में अभियुक्त आबिद हुसैन उर्फ सुक्खा ने बताया कि उसने अपने साथियों के साथ 11 फरवरी 2026 को जौनपुर रोडवेज बस स्टैंड पर दो महिलाओं के बैग काटकर उनके गहने चोरी किए थे। आरोपियों ने बस में महिलाओं की सीट के सामने रखे बैग को निशाना बनाया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 61.280 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए हैं, जिनमें मंगलसूत्र, झुमका, अंगूठी, चेन, लाकेट और अन्य गहने शामिल हैं। बरामद गहनों की पहचान पीड़ित पक्ष द्वारा कर ली गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों में आबिद हुसैन उर्फ सुक्खा (उधमसिंह नगरध्मुरादाबाद) और सरवर (मुरादाबाद) शामिल हैं। सरवर के खिलाफ विभिन्न जिलों में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

अंबेडकर प्रतिमा खंडित होने से बवाल, ग्रामीणों में आक्रोश, पुलिस जांच में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के केराकत कोतवाली थाना अंतर्गत क्षेत्र के कुसरना बकुलिया गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने का मामला सामने आया है। यह घटना 15 देर की रात की बताई जा रही है, जिसकी जानकारी गुरुवार सुबह ग्रामीणों को हुई। ग्रामीणों के अनुसार, प्रतिमा की आंख के ऊपरी हिस्से को क्षतिग्रस्त किया गया है। खास बात यह है कि जहां प्रतिमा स्थापित है, उसके ठीक सामने पुलिस चौकी मौजूद है, इसके बावजूद इस तरह की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। नाराज ग्रामीणों ने कुछ समय के लिए सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन भी किया। लोगों का कहना है कि जिले में इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, जिससे असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझाकर स्थिति को शांत कराया और जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी केराकत अजीत कुमार चौहान ने बताया कि प्रतिमा क्षतिग्रस्त हुई है, जिसे जल्द ही बदलवाया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था कायम है और पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

प्रयागराज में स्वचालित सीढ़ी से गिरकर घायल हुए दंपती

भदोही, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे के ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को आरपीएफ ने सराहनीय काम किया। प्रयागराज स्टेशन पर स्वचालित सीढ़ी से गिरकर घायल जार्ज टाउन मालवीय रोड निवासी दपंती को ज्ञानपुर रोड स्टेशन पर उतारकर प्राथमिक उपचार कराया। उसके बाद परिजनों को बुलाकर घर भिजवाया। दोनों ने आगे की यात्रा को निरस्त कर दिया। प्रयागराज के जार्जटाउन निवासी 52 वर्षीय डेजी श्रीवास्तव पति राजीव श्रीवास्तव के साथ प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को दानापुर–सिकंदराबाद एक्सप्रेस पकड़ने के लिए पहुंचे। स्वचालित सीढ़ी पर चढ़ते समय राजीव श्रीवास्तव का संतुलन बिगड़ गया और वे गिरने लगे। पति को बचाने के प्रयास में डेजी श्रीवास्तव भी गिर गई। दोनों लोग घायल हो गए।

सीबीएसई 10 वीं परीक्षा मे एसडी मेमोरियल प्रीवियस स्कूल, जाना बाजार शत-प्रतिशत परिणाम हासिल कर जिले मे लहराया परचम

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।मॉडर्न ग्रुप ऑफ एजुकेशन, जाना बाजार के अंतर्गत संचालित एसडी मेमोरियल प्रीवियस स्कूल ने इस वर्ष सीबीएसई कक्षा 10 की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 100% परिणाम हासिल कर जिले मे शिक्षा के क्षेत्र मे परचम लहराया।इस विद्यालय के लगभग 60: विद्यार्थियों ने 70: से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।परीक्षा परिणाम में जिज्ञासा सिंह (ग्राम कोर राघोपुर) ने 93.4% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया।वहीं दिव्यांशु पांडे ने 88.6% अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया।रिजल्ट घोषित होने के उपरांत विद्यालय परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सफल विद्यार्थियों एवं उनके संबंधित विभागों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कौशल किशोर सिन्हा, निर्देशक रमेश चंद्र श्रीवास्तव, उप निदेशक आशीष श्रीवास्तव सहित शिक्षकगणकृगुडडू भारती, अनुप, अनूप कुमार, रितेश शुक्ला आदि उपस्थित रहे।विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा शिक्षकों एवं अभिभावकों के सहयोग को इस सफलता का आधार बताया।

पूरा बाजार में भाजपा सम्मेलन की तैयारी को लेकर पदाधिकारियों ने किया स्थल निरीक्षण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। अम्बेडकर जयंती सप्ताह के तहत ब्लाक मुख्यालय पूरा बाजार में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि कृषिध्भारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर संगठन की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं।कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम स्वरूप देने के लिए महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, आगंतुकों के स्वागत सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इसके उपरांत आयोजित बैठक में पदाधिकारियों को अलग–अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई, ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके।महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि अम्बेडकर जयंती सप्ताह के अंतर्गत आयोजित यह सम्मेलन सामाजिक समरसता और संविधान के मूल्यों को जन–जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।अभियान संयोजक हरभजन गौड ने बताया कि सम्मेलन की सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित ढंग से की जा रही हैं। कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं और हर बिंदु पर निगरानी रखी जा रही है, जिससे कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों और कार्यकर्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सम्मेलन के उपरांत पूरा बाजार में नारी शक्ति वंदन अधि।नियम के समर्थन में शिवम् शुक्ला के संयोजन में नारी शक्ति पद यात्रा निकाली जाएगी। बैठक में शैलेन्द्र कोरी, गन्ना चेयरमैन दीपेन्द्र सिंह, अमल गुप्ता, रवि सिंह, स्वाती सिंह सहित अन्य पदाध।कारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजकीय डॉ. बृज किशोर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार को शहर के देवकाली स्थित राजकीय डॉ. बृज किशोर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया।इस दौरान कॉलेज की वार्षिक पत्रिका 'स्पेक्ट्रम' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होम्योपैथिक निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि एसपी ट्रैफिक ए.पी. सिंह व कलाकार मुनि रमन जी रहे।अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आशीष कुमार सिंह ने की।दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से शुरू हुए कार्यक्रम में डॉ. प्रमोद कुमार ने छात्रों को नैतिक मूल्यों व होम्योपैथी के महत्व पर जोर दिया। मुनि रमन जी के गीतों और छात्रों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांधा।शैक्षणिक व अन्य प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों के साथ स्टाफ को भी सम्मानित किया गया। डॉ. विकास मिश्रा ने आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

कापी,किताब व ड्रेस मामले मे शिक्षकों के खिलाफ साक्ष्य मिलने पर होगी कार्यवाई – बीएसए

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।इस समय प्राथमिक तथा जूनियर हाई स्कूल में नया सत्र शुरू हुए 15 दिन से अधिक हो चुका है।बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जहां सभी शिक्षकों को अधिक से अधिक प्राथमिक तथा जूनियर हाई स्कूल मे बच्चों को पढाने के लिए उनके अभिभावकों से दिशा निर्देश जारी किए।यह बात बीएसए लालचंद ने एक खास मुलाकात में बताई। उन्होंने बताया कि अगर किसी भी सरकारी तथा प्राइवेट प्राइमरी तथा जूनियर हाई स्कूल में पढने वाले छात्रों या उनके अभाव को द्वारा साक्षी के साथ जबरन ड्रेस कॉपी किताब जूते मुझे लेने की शिकायत विभाग को मिलती है तो उन स्कूलों के प्रधानाचार्यो तथा शिक्षकों पर कठोर से कठोर कार्यवाही होगी। उन्होंने बताया कि इस सत्र में पिछले सत्र की अपेक्षा प्राइमरी स्कूल तथा जूनियर हाई स्कूल में अधिक से अधिक बच्चों के प्रवेश का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी शिक्षकों को एक टारगेट भी दिया गया है कि वे सभी अपने–अपने क्षेत्र में जाकर बच्चों को तथा उनके माता–पिता को इन स्कूलों में पढ़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि उनका प्रयास यही है की सभी प्राइमरी तथा जूनियर हाई स्कूल में पढ़ाई डिजिटल के माध्यम से हो साथ ही साथ सभी प्राइमरी तथा जूनियर हाई स्कूलों में कमरे साफ सुथरे हूं प्रकाश की उचित व्यवस्था हो पंख हो शौचालय हूं जिससे अध्यनरत छात्रों को किसी तरह की परेशानी ना हो उन्होंने बताया कि उनका प्रयास यही रहेगा कि इस सत्र में अधिक से अधिक बच्चों का प्रवेश प्राइमरी और जूनियर हाई स्कूलों में हो शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य अच्छे ढंग से हो सभी स्कूलों में अत्याधुनिक सुविधाओं हो। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक बच्चों को प्रवेश के लिए अभाव को को प्रोत्साहन हेतु तथा उनका जागरूक करने के लिए रैली आदि निकाली जाती है।

मिशन शक्ति फेज 5 के तहत महिला एसओ गोशाईगंज अभिमन्यु शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक सोनम ने किया छात्राओं को जागरूक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। गुरुवार को एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सदर अरविन्द सोनकर की देखरेख मे थानाध्यक्ष गोशाईगंज अभिमन्यु शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक सोनम ने महिला पुलिस कर्मियों के साथ नवनीत एजूकेशनल इंटरमीडिएट स्कूल मे जाकर छात्राओं को मिशन शक्ति फेज 5 के तहत जागरुक किया।इस मौके पर उन्होंने छात्राओं को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उनके साथ मौजूद रही महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौर ने बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि

अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

बिघौली गांव में 9 अप्रैल को तेरहवीं भोज के दौरान कहासुनी के बाद अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई थी,जिसमें एक ही परिवार के पांच लोग घायल हो गए थे इलाज के दौरान एक मौत

ब्यूरो चीफ–आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र के बिघौली गांव में तेरहवीं संस्कार के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने गंभीर रूप ले लिया है। इस मामले में घायल युवक दिलीप कुमार यादव (33) की लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई,जिससे पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है।बताया जा रहा है कि 9 अप्रैल को तेरहवीं भोज के दौरान कहासुनी के बाद अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई थी,जिसमें एक ही परिवार के पांच लोग घायल हो गए थे। गंभीर रूप से घायल दिलीप को लखनऊ रेफर किया गया था,जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया।इधर,पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में वांछित करुणानंद उर्फ संगम पुत्र त्रिवेणी यादव निवासी बिघौली को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष महेंद्र कुमार सिंह के अनुसार आरोपी के खिलाफ फायरिंग,मारपीट और धमकी देने का मुकदमा दर्ज था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया,जहां से जेल भेज दिया गया।घटना के बाद एहतियातन गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

फायर सर्विस वीक के तहत महार्षि बाल्मीकि इंटरनेशनल हवाई अड्डा पर चला अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। फायर सर्विस वीक (14 अप्रैल से 20 अप्रैल) के उपलक्ष्य में गुरुवार को महार्षि बाल्मीकि इंटरनेशनल हवाई अड्डा पर अग्नि सुरक्षा जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान फायर स्टाफ द्वारा सभी कर्मचारियों को एयरसाइड तथा एयरपोर्ट परिसर में कहीं भी आग लगने की स्थिति में किए जाने वाले आवश्यक कार्यों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया।इस अवसर पर ।ज्ब प्रकार, ब्व2 प्रकार, वाटर प्रकार एवं क्लीन एजेंट फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग का प्रदर्शन किया गया, जिससे विभिन्न प्रकार की आग पर नियंत्रण पाने की विधि समझाई गई। इसके अतिरिक्त उन्नत रेस्क्यू उपकरण जैसे हाइड्रोलिक कटर, हाइड्रोलिक स्प्रेडर एवं पावर सॉ का उपयोग भी प्रदर्शित किया गया।कार्यक्रम के दौरान फायर स्टाफ द्वारा सभी उपस्थित कर्मचारियों को फायर सर्विस वीक के बैज भी लगाए गए, जिससे अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिला।इस अवसर पर कार्यवाहक विमान पत्तन निदेशक श्री अवधेश कुमार सिंह, श्री आर.बी.एस. कुशवाहा (इलेक्ट्रिकल इंचार्ज), श्री राजेश कुमार (सिविल इंचार्ज), श्री राजेश कुमार (सीएनएस इंचार्ज), श्री जयंतो नेओगी (टर्मिनल इंचार्ज) एवं श्री सुधीर यादव (फायर इंचार्ज) सहित सभी स्टाफ एवं हितधारक उपस्थित रहे।यह कार्यक्रम एयरपोर्ट कर्मियों एवं हितधारकों के बीच अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता, तत्परता एवं आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को सुदृढ़ करने हेतु आयोजित किया गया।

पाली में महिला सशक्तिकरण के तहत चला नारी वंदन श्रृंखला कार्यक्रम'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज 5.0 के तहत गुरुवार को नगर के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में सशक्त नारी–विकसित भारत के संदेश के क्रम में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अंतर्गत कालेज की छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं महिला अविभावकों द्वारा नारी शक्ति भव्य मानव श्रृंखला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं,शिक्षिकाओं,आदि ने भाग लेकर महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। इस दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में छात्राओं में उत्साह और जोश देखने को मिला। इस दौरान इतिहास प्रवक्ता विनोद प्रताप वर्मा ने बताया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का मुख्य उद्देश्य राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के साथ –साथ समाज में उनकी भूमिका और सशक्त करेगा साथ ही निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका को सुदृढ़ करेगा तथा लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभायेगा। प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं का 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित होगा,जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी और मजबूत होगी। छात्राओं ने उम्मीद जताई कि यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

पाली में महिला सशक्तिकरण के तहत चला नारी वंदन श्रृंखला कार्यक्रम'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज 5.0 के तहत गुरुवार को नगर के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में सशक्त नारी–विकसित भारत के संदेश के क्रम में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अंतर्गत कालेज की छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं महिला अविभावकों द्वारा नारी शक्ति भव्य मानव श्रृंखला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं,शिक्षिकाओं,आदि ने भाग लेकर महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। इस दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में छात्राओं में उत्साह और जोश देखने को मिला। इस दौरान इतिहास प्रवक्ता विनोद प्रताप वर्मा ने बताया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का मुख्य उद्देश्य राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के साथ –साथ समाज में उनकी भूमिका और सशक्त करेगा साथ ही निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका को सुदृढ़ करेगा तथा लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभायेगा। प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं का 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित होगा,जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी और मजबूत होगी। छात्राओं ने उम्मीद जताई कि यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

एम आई एस इंटरनेशनल स्कूल का रहा शत प्रतिशत परिणाम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। एम आई एस इंटरनेशनल स्कूल, अयोध्या के विद्यार्थियों ने हर वर्ष कि तरह शैक्षणिक उत्कृष्टता की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने पूरे विद्यालय को गर्व से भर दिया है। शत–प्रतिशत परिणाम के साथ विद्यालय ने एक बार फिर अपनी गुणवत्ता और समर्पण को सिद्ध किया है। इस शानदार उपलब्धि में छात्रा अक्षरा वर्मा ने 95.2% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया और सफलता की नई ऊँचाइयाँ छुईं। अर्नव मिश्रा ने 93: अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, वहीं सिद्धि सरीन ने 92% अंक अर्जित कर तृतीय स्थान पर अपनी जगह बनाई।उत्कृष्ट प्रदर्शन की इस श्रृंखला में एंजल सिंह ने 91.2% अंक प्राप्त किए, जबकि अनुभव सिंह और अंतरा पांडेय ने 90–90% अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा और मेहनत का शानदार परिचय दिया।विशेष गर्व की बात यह है कि विद्यालय के 16 विद्यार्थियों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त कर अपने उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखी है।विद्यालय की प्रध।नाचार्या एवं प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह सफलता न केवल विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है, बल्कि विद्यालय के समर्पित शिक्षकों और प्रेरणादायक वातावरण का भी प्रतिफल है।

रोटरी क्लब ग्रेटर फैजाबाद ने भीषण गर्मी में आम जनमानस के लिए समर्पित की शीतल जल मशीन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।मानवता की सेवा ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है।इसी ध्येय वाक्य को सार्थक करते हुए रोटरी क्लब ग्रेटर फैजाबाद द्वारा समाज हित में एक और सराहनीय कदम उठाया गया है।क्लब द्वारा रायबरेली रोड स्थित नऊआ कुंआ पर समर्थ अग्रवाल के प्रतिष्ठान अर्थ इंटरप्राइजेज में आम जनता की सुविधा हेतु एक शीतल जल मशीन स्थापित की गई।इस मशीन का लोकार्पण गुरुवार को मुख्य अतिथि सविता राजपूत एसडीएम सोहावल द्वारा संपन्न हुआ। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष रोटेरियन संजीव सोनी,पार्थ अग्रवाल,छवि अग्रवाल एवं रोली दीप ने एसडीएम को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भव्य स्वागत व सम्मान किया।इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रो० संजीव सोनी ने रोटरी के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि क्लब निरंतर समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों के हित में कार्य करने के लिए संकल्पित है। भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों और स्थानीय लोगों के लिए स्वच्छ एवं शीतल जल उपलब्ध कराना इसी सेवा अभियान का एक हिस्सा है।इस मौके पर एसडीएम सविता राजपूत ने क्लब के इस कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य अत्यंत प्रेरणादायक हैं।भीषण गर्मी के मौसम में शीतल जल की व्यवस्था करना पुण्य का कार्य है। देश के विकास और निस्वार्थ समाज सेवा के लिए ऐसे संगठनों की महती आवश्यकता है।इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अमित अग्रवाल साथ में जितेंद्र आनंद,अरुण अग्रवाल,दीपक मल्होत्रा, नमन रस्तोगी, अमित रस्तोगी, ,मोना रस्तोगी रश्मि अग्रवाल, यथार्थ अग्रवाल, समर्थ अग्रवाल और राजेश झुंझुनवाला, मोहम्मद ताहिर प्रधान सहित कई गणमान्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सनबीम स्कूल सीबीएसई कक्षा 10 परिणाम रहा शत प्रतिशत परिणाम,उत्कृष्टता की परंपरा बरकरार

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।सनबीम स्कूल अयोध्या ने एक बार फिर कक्षा 10 के बोर्ड परीक्षा परिणामों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी उत्कृष्टता की विरासत को कायम रखा है। विद्यालय ने निरंतर वर्ष–दर–वर्ष 100% परिणाम देकर अपनी सुदृढ़ शैक्षणिक गुणवत्ता का परिचय दिया है।इस वर्ष भी सभी विद्यार्थी सफल रहे। लगभग 99% विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की, जबकि करीब 44% विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों में प्रमुख रुप से ऋषभ कुमार (98%), आदित्य वर्मा (97%), कुशाग्र शुक्ला (96.8%), उत्कर्ष वर्मा (96.4%), प्रत्यांशी पांडेय (96.2%), कुशाग्र मिश्रा (96%), कृष्ण कुमार पटेल (95.8%), विश्वास गौतम (95.6%), अम्बरीश दुबे (95.4%), कुमारी ऋतिका (95.4%), छवि श्रीवास्तव (95.2%) एवं आशीर्वाद सिंह ठाकुर (95%) शामिल रहे। विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग को दिया। प्रधानाचार्य एवं प्रबंधन ने सभी छात्रों एवं शिक्षकों को इस उत्कृष्ट सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी।यह परिणाम विद्यालय की गुणवत्ता, अनुशासन और समर्पित शैक्षणिक वातावरण का सशक्त प्रमाण है, जो भविष्य में भी इसी उत्कृष्टता को बनाए रखने का विश्वास दिलाता है।

सीबीएसई हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा मे मैत्री श्रीवास्तव ने 90% अंक लाकर अपने पिता तथा कायस्थ समाज का किया नाम रोशन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। सीबीएसई बोर्ड के कक्षा 10 परीक्षा परिणाम मे रायबरेली रोड स्थित सनबीम स्कूल की मेधावी छात्रा नेत्री श्रीवास्तव ने 90: अंक प्राप्त कर अपने माता–पिता तथा कायस्थ समाज का नाम रोशन किया है।उन्होंने सामाजिक विज्ञान में 88 विज्ञान में 82 इंग्लिश में 93 हिंदी में 90 तथा कंप्यूटर में 97 सम्मानजनक अंक अर्जित किया हैं।साथ ही साथ मेधावी छात्रा नेत्री श्रीवास्तव ने 90% सम्मानजनक अंक अर्जित कर यह साबित किया है कि आज समाज में बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो नौकरी पेशा का क्षेत्र हो कला क्षेत्र हो विज्ञान का क्षेत्र हो या अन्य कोई क्षेत्र हो बताते चलें मेधावी छात्रा की आर्ट भी बहुत ही अच्छी हैं मालूम हो कि नेत्री श्रीवास्तव जल निगम विभाग में लेखाकार पद पर तैनात पंकज श्रीवास्तव निवासी शिवनगर कॉलोनी की पुत्री हैं।मेधावी छात्रा ने बताया कि उसका शुरू से ही एक ही लक्ष्य है कि वह आगे चलकर चिकित्सक बनाकर अपने माता–पिता तथा समाज का नाम रोशन करें। कि इस सफलता में सबसे अधिक सहयोग उनके माता–पिता उनकी माता नीतू श्रीवास्तव,पिता पंकज श्रीवास्तव के साथ–साथ भाई, सगे संबंधियों तथा स्कूल के प्रधानाचार्य तथा शिक्षक शिक्षिकाओ का रहा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।